पंजाब केसरी 16-01-2025

एन.एस.डी.एल. ने वित्तीय स्वतंत्रता पर करवाई कार्यशाला

अम्बाला, 15 जनवरी (बलराम): नैशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड, एन.एस.डी.एल. ने जी.एम.एन. कॉलेज, अम्बाला कैंट में 'वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करना' पर एक कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। 15 जनवरी को आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों, संकाय सदस्यों और समुदाय के सदस्यों को वित्तीय साक्षरता के महत्व और वित्तीय रूप से स्वतंत्र भविष्य को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक कदमों के बारे में शिक्षित करना था।

एन.एस.डी.एल. की वित्तीय विशेषज्ञों की टीम के नेतृत्व में कार्यशाला में व्यक्तिगत वित्त प्रबंधन, निवेश रणनीतियों, धन सृजन और सेवानिवृत्ति योजना सहित कई आवश्यक विषयों को शामिल किया गया। प्रतिभागियों को अपने वित्त को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और दीर्घकालीन वित्तीय सफलता की योजना बनाने में मदद करने के लिए व्यावहारिक उपकरण और अंतर्दृष्टि प्रदान की गई।

कॉलेज प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने टीम को बधाई दी और इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने सत्र में वित्तीय नियोजन के महत्व पर जोर दिया और यह भविष्य में स्वतंत्रता और सुरक्षा को कैसे जन्म दे सकता है। डा. भारती सुजान, एम.बी.ए., विभागाध्यक्ष ने कहा कि विशेषज्ञों द्वारा सांझा की गई अंतर्दृष्टि

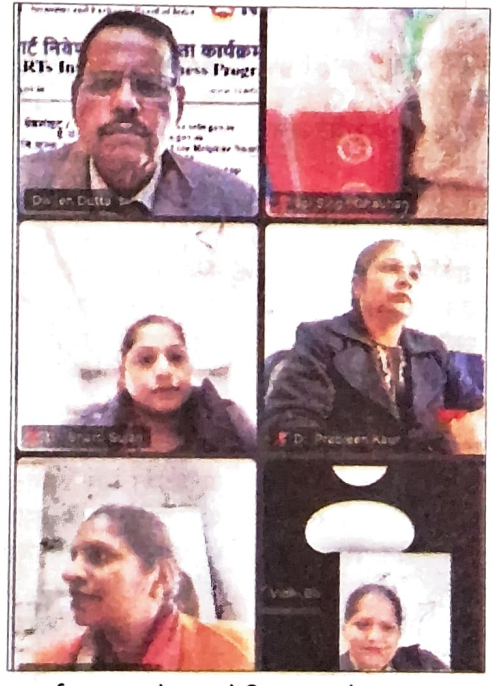

कार्यशाला को सम्बोधित करते वक्ता।

एक निवेश पोर्टफोलियो बनाने और स्टॉक, म्यूचुअल फंड और बांड जैसे विभिन्न वित्तीय साधनों में विविधता लाने के लाभों में मदद करती है।

प्रो. कमलप्रीत कौर ने बताया कि ऐसी कार्यशाला प्रतिभागियों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बजट और बचत के प्रभावी तरीके सीखने में मदद करती हैं। डा. प्रबलीन कौर ने सुझाव दिया सेवानिवृत्ति योजना समय की मांग है और संबोधित किया कि ये रणनीतियां सेवानिवृत्ति के बाद वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं, जिसमें एक स्थायी आय स्ट्रीम की योजना बनाना और बनाना शामिल

एन.एस.डी.एल. में सेबी ट्रेनर द्विजेन दत्ता ने कहा कि वित्तीय साक्षरता सफलता के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल है और हमें व्यक्तियों को उनके वित्तीय भविष्य पर नियंत्रण रखने के लिए आवश्यक ज्ञान के साथ सशक्त बनाने में मदद करने पर गर्व है। हमारा मानना है कि शिक्षा के माध्यम से, हम समुदाय में सकारात्मक वित्तीय परिवर्तन ला सकते हैं। कार्यशाला में जी.एम.एन. कॉलेज के छात्रों और संकाय सदस्यों दोनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह पहल पूरे भारत में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने और व्यक्तियों को सूचित वित्तीय निर्णय लेने के लिए आवश्यक संसाधन प्रदान करने के एन.एस.डी.एल. के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। कार्यक्रम को सफल बनाने में डा. गीता कौशिक, प्रो. शिवानी निझावन, प्रो. अर्चना जैन एवं प्रो. योगिता ने अहम भूमिका निभाई।